बर्षः- 05
अंकः- 271
मुरादाबाद
(Thursday)
22 January 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों का स्थापना दिवस, पीएम मोदी ने राज्यवासियों को दी बधाई

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों का स्थापना दिवस है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यवासियों को दी बधाई। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों का स्थापना दिवस, पीएम मोदी ने राज्यवासियों को दी बधाई। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोग अपने समर्पण और कड़ी मेहनत के माध्यम से भारत की प्रगति को समृद्ध कर रहे हैं। इसके साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि राज्य आने वाले समय में विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य का खेलों के प्रति जुनून,

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति के साथ घनिष्ठ संबंध वास्तव में उल्लेखनीय हैं।वहीं, मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार को राज्य की प्रगति और विकास के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अटूट समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया।मेघालय भविष्य में विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा- पीएम मोदी मेघालय की जनता को शुभकामनाएं देते हुए मोदी ने कहा कि राज्य के लोगों ने राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य की सांस्कृतिक जीवंतता और प्राकृतिक सुंदरता की पूरे देश में व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि मेघालय भविष्य में विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा।त्रिपुरा के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की यात्रा परंपरा और आधुनिकता के उल्लेखनीय मिश्रण से चिह्नित है। 卐राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व परिवर्तन देखे हैं और यहां के लोग भारत की विकास यात्रा को गति प्रदान कर रहे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि त्रिपुरा आने वाले समय में उल्लेखनीय समृद्धि प्राप्त करे।

जनता राज्य की प्रगति के लिए पीएम का आभार व्यक्त करती है मणिपुर के राज्य स्थापना दिवस पर मोदी द्वारा वहां के लोगों को दी गई शुभकामनाओं का जवाब देते हुए, लोक भवन इंफाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य की समृद्ध विरासत और लचीलेपन का सम्मान करते हुए, विकास, समावेशी विकास और राज्य के लोगों के लिए बेहतर अवसरों पर केंद्र के निरंतर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया है। लोक भवन ने एक्स को पोस्ट किया, मणिपुर की जनता राज्य की प्रगति और विकास के प्रति प्रधानमंत्री के अटूट समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करती है। अपने संदेश में मोदी ने कहा कि मणिपुर के लोग अपने समर्पण और कड़ी मेहनत के माध्यम से भारत की प्रगति को समृद्ध कर रहे हैं, और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य आने वाले समय में विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ता रहेगा।पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने भी इस अवसर पर शुभकामनाएं देने के लिए मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदो को मणिपुर राज्य स्थापना दिवस पर उनकी हार्दिक शुभकामनाओं के लिए हार्दिक धन्यवाद। मणिपुर के जुझारू लोग, समृद्ध संस्कृति और खेल भावना राष्ट्र को प्रेरित करते रहेंगे क्योंकि राज्य प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले का खुद संज्ञान लेगा, सीजेएम के ट्रांसफर पर अखिलेश का तंज

संभल के सीजेएम विभांशु सुधीर के ट्रांसफर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट स्वतः संज्ञान लेंगे। अखिलेश ने न्यायपालिका और बुद्धिजीवियों से इस मामले पर ध्यान देने की बात कहीसीओ अनुज चौधरी के खिलाफ स्न्ङ्कक्र के आदेश के बाद संभल के CJM विभांशु सुधीर के ट्रांसफर पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट इस मामले का खुद संज्ञान लेंगे। मुझे ङ्घविश्वास है कि देश के बुद्धिजीवी और जज खुद इस मुद्दे पर संज्ञान लेंगे। अखिलेश यादव ने बुलाई थी सांसदों की बैठक - लखनऊ में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को सपा के सभी सांसदों की मीटिंग बुलाई थी। अखिलेश ने अपने सांसदों से आगामी चुनावी रणनीति और संगठन मजबूत करने की चर्चा की। हर संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों की स्थिति पर चर्चा हुई। इस दौरान अखिलेश यादव ने अपने सांसदों में कहा था कि यह 37 सांसद 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत दिलाएंगे-

संक्षिप्त समाचार

मेरठ के उजैद का आतंकी कनेक्शन उजागर, अलकायदा स्लीपर सेल से जुड़े तार, पिता हैं फल विक्रेता

मेरठ के बनियापाड़ा निवासी उजैद का अलकायदा स्लीपर सेल से कनेक्शन सामने आया है। यूपी एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने घर पर दबिश दी, व्हाट्सएप चैट और ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज जांच में मिली है।मेरठ कोतवाली थाना क्षेत्र के बनियापाड़ा इलाके में रहने वाले युवक उजैद का आतंकी संगठन अलकायदा से कनेक्शन सामने आया है। यूपी एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने उज़ैद के घर दबिश दी, लेकिन वह मौके पर नहीं मिला।दो भाइयों से की गई पूछताछ- पुलिस दबिश के दौरान उज़ैद के दो भाइयों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था। हालांकि पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस को शक है कि उजैद अलकायदा के स्लीपर सेल से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।व्हाट्सएप ग्रुप और चैट पुलिस के हाथ लगी- जम्मू-कश्मीर पुलिस की मॉनिटरिंग में उज़ैद की व्हाट्सएप हिस्ट्री खंगाली गई। जांच में अलकायदा स्लीपर सेल से जुड़ा एक व्हाट्सएप ग्रुप मिला है। इस ग्रुप की 3 से 4 पन्नों की चैट पुलिस के पास मौजूद है, जिसे अहम सबूत माना जा रहा है। सामने आया है कि उज़ैद नवंबर महीने में जम्मू गया था। इसी दौरान उसके आतंकी संपर्कों को लेकर पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। उज़ैद के पिता फल के आढ़ती हैं, जो जम्मू से फल मंगाकर मेरठ की मंडी में आढ़त लगाते हैं।

मुस्लिम साथ छोड़ दें तो दो टके की पार्टी रह जाएगी सपा, डिप्टी सीएम ने दिया बयान, और क्या बोले

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बुधवार को बागपत में विकास कार्यों की समीक्षा करने पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि अखिलेश सत्ता के लिए दिन में सपना देखते रहते हैं। मगर लोग सपा का जंगलराज अभी तक नहीं भूले हैं।प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रिजेश पाठक ने कहा कि सपा केवल जाति व धर्म पर आधारित पार्टी है। मुस्लिम इनका साथ छोड़ दें तो सपा दो टके की पार्टी रह जाएगी। उनको भी यह लोग डराकर और झूठ बोलकर वोट लेते हैं, जबकि सरकार की योजनाओं का मुस्लिमों को सबसे ज्यादा लाभ भाजपा ने

दिया है।डिप्टी सीएम बुधवार को बागपत में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक व विकास कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा करने आए थे। उन्होंने भाजपा जिला कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अखिलेश सत्ता के लिए दिन में सपना देखते रहते हैं मगर लोग सपा का जंगलराज नहीं भूल सकते हैं।कहा कि सपा ने विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। वह जमीनों पर कब्जा करते थे और वह कहते थे कि सपा का यही नारा है, खाली प्लॉट हमारा है। सपा ने एक हजार से ज्यादा दंगे कराए और बेटियां शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकल सकती थीं। अब बेटियां सुरक्षित हैं तो गुंडों को उनकी सही जगह पहुंचाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया गया है और सभी जिलों को बराबर बजट दिया जा रहा है। किसी भी जिले से कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा। प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही। स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर की जा रही हैं और चिकित्सकों की भर्ती हो रही है। बागपत समेत जिन जिलों में मेडिकल कॉलेज नहीं बने, वहां जल्द कार्य शुरू कराने की तैयारी है।

आशा कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन से डरी बंगाल की ममता सरकार, कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

बंगाल की ममता बनर्जी सरकार आशा कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन को रोकने की कोशिशों में जुटी है। इसके तहत बुधवार को विभिन्न आशा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। आशा कार्यकर्ता ने अपनी मांग को लेकर आज स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय तक मार्च का एलान किया है। पश्चिम बंगाल सरकार राज्य में आशा कार्यकर्ताओं के विरोध को कुचलने की कोशिश कर रही है। इसके तहत बुधवार को बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। साथ ही राज्य के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की जा रही है। दरअसल आशा कार्यकर्ता बुधवार को राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय

स्वास्थ्य भवन तक अपनी मांगों को लेकर विरोध मार्च निकालने की तैयारी कर रही हैं। इसे रोकने के लिए राज्य सरकार ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है। रेलवे स्टेशन से नहीं निकलने दे रही बंगाल पुलिस आशा कार्यकर्ता अपने मासिक मानदेय में बढ़ोतरी और बीमा कवर की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। आशा कार्यकर्ताओं ने राज्य में बीती 23 दिसंबर से ही काम रोका हुआ है। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि बंगाल पुलिस ने सियालदह स्टेशन और हावड़ा स्टेशन के बाहर बैरिकेडिंग की हुई है। इन स्टेशनों पर राज्य के विभिन्न जिलों से प्रदर्शनकारी पहुंच रही हैं।कई प्रदर्शनकारी पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद स्टेशन पर ही धरने पर बैठ गईं। पश्चिमी दिनाजपुर की एक आशा कार्यकर्ता ने बताया कि सुबह 6.30 बजे से ही उन्हें रेलवे स्टेशन से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। स्वास्थ्य भवन के नजदीक भी कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। आशा कार्यकर्ता बीते कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। बीती 8 जनवरी को भी आशा कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य भवन तक मार्च किया था। इसके बाद 12 जनवरी को भी आशा कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य विभाग के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन को देखते हुए सरकार ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में स्थित स्वास्थ्य भवन के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और ट्रैफिक को भी नियंत्रित किया गया है।आशा कार्यकर्ताओं की क्या हैं मांगें बंगाल की आशा कार्यकर्ताओं लंबे समय से मांग कर रही हैं कि उनकी तनख्वाह प्रदर्शन के आधार पर मिलने वाले मानदेय के बजाय 15 हजार रुपये तय कर देनी चाहिए। आशा कार्यकर्ताओं की ये भी मांग है कि अगर ड्यूटी के दौरान उनकी मौत होती है तो उन्हें पांच लाख रुपये का इंश्योरेंस कवर भी दिया जाए।

तमिलनाडु की संस्कृति, इसके गौरव पर हमला कर रही डीएमके, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का आरोप

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने टीटीवी दिनाकरन के एनडीए में शामिल होने के अवसर पर डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोला। गोयल ने कहा कि डीएमके सरकार तमिलनाडु के लोगों, उनकी संस्कृति और उनके गौरव पर हमला कर रही है। जानिए और क्या-क्या बोले पीयूष गोयल केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि एनडीए तमिलनाडु से डीएमके की सरकार को हटाने के लिए समर्पित है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके सरकार तमिलनाडु की संस्कृति, तमिलनाडु के गर्व और तमिलनाडु लोगों पर हमले कर रही है। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम के नेता टीटीवी दिनाकरन ने एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का एलान

किया है। इस दौरान पीयूष गोयल ने कहा कि एनडीए मिलकर काम करेगा और तमिलनाडु में डीएमके गठबंधन को हराएगा। टीटीवी दिनाकरन के फिर से एनडीए में शामिल होने के सवाल पर पीयूष गोयल ने कहा, %मैं इस बात से खुश हूं कि मेरे अच्छे दोस्त और वरिष्ठ नेता दिनाकरन जी ने एनडीए परिवार में फिर से शामिल होने का फैसला किया है। वे मेरे पिता के साथ राज्यसभा में सेवाएं दे चुके हैं और तभी से मैं उनके अच्छे कामों और उनकी नेतृत्व क्षमता के बारे में जानता हूं। मेरे बड़े भाई और एआईएडीएमके के नेता ई पलानीस्वामी और मेरे भाई और अच्छे दोस्त अंबुमणि रामदास और एनडीए के सहयोगी जीके वासन, हम सभी डीएमके की भ्रष्ट सरकार को हटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।%

विज्ञापनएनडीए गठबंधन तमिलनाडु को देगा अच्छा नेतृत्व भाजपा नेता ने कहा %ये अक्षम डीएमके सरकार, तमिलनाडु के लोगों पर हमले कर रही है। तमिलनाडु की संस्कृति और इसके गौरव पर हमला कर रही है। इससे हम बेहद निराश हैं। हम एक परिवार की तरह मिलकर काम करेंगे और इस भारत विरोधी डीएमके गठबंधन को हारएंगे।% उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन तमिलनाडु के भाईयों और बहनों को अच्छा नेतृत्व और प्रशासन मुहैया कराएगा। तमिलनाडु के युवाओं का भविष्य उज्जवल है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्यूरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
902776991
knlslive@gmail.com

संपादकीय Editorial

BJP's 'Nabin' phase

Nitin Nabin has been elected the new national president of BJP. He started his tenure with a big ceremony in the presence of Prime Minister Modi. A total of 37 nomination proposals were given by Union Ministers, State Presidents and Parliamentary Board in favor of Nabin, there was no nomination in opposition, hence BJP President has been elected unopposed. It is an established tradition of the BJP that the top leadership decides on a name and the entire organization gives the seal of approval to it. There was never any opposition or election challenge while making him the national president in BJP, hence now 'Nabin era' has started in the party. This should be accepted. The new national president of BJP is the youngest leader at 45. Before him, Amit Shah was 49 years old and Nitin Gadkari was 52 years old when he became BJP President. The news has also come from within the party that now 70 percent of the posts in the BJP organization will be given to persons below 60 years of age. It is clear that comprehensive changes can be made at the level of the national executive and officials. Since the era of Nitin Nabin, BJP has started propagating that 65 percent of the country's population is youth and BJP is the first choice party of 'Gen Ji'. The party's first concerns, goals, priorities, programs etc. will also be 'Gen Z' centric. Mandate figures also contribute to this thinking and strategy. More than 39 percent youth voted in favor of BJP-NDA in the 2024 Lok Sabha elections. This figure of support has also reached 45-47 percent in state level elections. Therefore, Prime Minister Modi, on the advice of Home Minister Amit Shah, has chosen an uncontested, undisputed and experienced young face of the organization for the BJP President. When this name was revealed, Prime Minister Modi once again surprised the country. However, BJP was founded on April 6, 1980 and Atal Bihari Vajpayee was elected the first national president. The background of BJP lies in 'Bharatiya Jan Sangh', which was founded on October 21, 1951 by Dr. Shyama Prasad Mukherjee, along with colleagues like Balraj Madhok and Deendayal Upadhyay, in the courtyard of a school. After the Emergency, the political organization of 'Janata Party' emerged, when many opposition parties including Jan Sangh ended their individual existence and merged into 'Janata Party'. As a result, the opposition won a spectacular, massive mandate in 1977, but after the dissolution of the Janata Party in 1979, the Jan Sangh faction formed the BJP. The journey of 45 years in politics is not considered a long one, but today BJP is the largest political party in the world with more than 17 crore members and cadre. This is amazing expansion and acceptance. The first Prime Minister of BJP was Atal Bihari Vajpayee, who led the Government of India for 6 years. Narendra Modi is the Prime Minister of the country since May 26, 2014. He has been elected Prime Minister for three consecutive times. There are BJP-NDA governments in 21 states of the country. They rule over 68 percent of the country. After Bihar Assembly elections, BJP has 1654 MLAs and the number of NDA MLAs is more than 2300. BJP's target is that in the next two years the number of its own MLAs can touch 1800. Can this much mandate be obtained from the assembly elections of West Bengal, Tamil Nadu and Kerala? We don't even find this surprising. Today BJP is in power in Andhra Pradesh along with Telugu Desam Party. More or less, the initial mandate of the public was received. Expansion can be done later. Today BJP, like Jan Sangh, is not a party of Banias, Brahmins and businessmen. Now OBCs, Dalits, tribals and 7-8 percent Muslims are also with BJP, hence the party.

Kashmiri Hindus waiting for justice, there is no bigger tragedy than someone becoming a refugee in their own country.

Kashmiri Hindus were ignored not only by successive governments but also by the Supreme Court. He refused to investigate the cases of their planned murders in Kashmir saying that it was too late. This statement only resulted in darkness along with delay in justice. There was a mass exodus of Kashmiri Hindus on January 19, 1990. Even after 36 years, there is no concrete path to return. Special protected areas are needed for safe return 19th January came and went, but hardly anyone paid attention to the displaced Kashmiri Hindus. Yes, Farooq Abdullah definitely rubbed salt into their wounds by saying that who has stopped Kashmiri Hindus from returning to their homes? According to them, Kashmiri Hindus can return to the valley whenever they want and live comfortably in their homes, but this is not true. The environment of Kashmir is not such that Kashmiri Hindus can return to their homes without any fear. January 19, 1990 is known as the exodus day of Kashmiri Hindus. Although the migration of Kashmiri Hindus from Kashmir had started even before 1990, but January 19 of this year was the date when their mass migration took place in large numbers. 36 years have passed, but there is no possibility of their returning to their homes and now they have even given up hope of it, because even after the removal of divisive Article 370 and 35A from Jammu and Kashmir, no right path is being found for their return. It is not able to come out because after the decline in terrorism, the atmosphere in Kashmir is not such that Kashmiri Hindus can think of returning there with any security. They are not able to think like this because they are targeted every now and then in Kashmir. After the abrogation of Article 370 on August 5, 2019, about five thousand Kashmiri Hindus were provided government jobs under the Prime Minister's Development Package, but many of them fled again due to fear of security. Today the total population of Kashmiri Hindus in Kashmir is less than ten thousand. Even after this, no one talks about Kashmiriyat nor about humanity. There is definitely talk of democracy. Regarding the return of Kashmiri Pandits to their homes, Farooq Abdullah also said that now their permanent return is difficult, because they have settled in other parts of the country and their children are busy in studies and employment. This is true to some extent, the children of displaced Kashmiri Hindus living in the country and abroad do not have as much connection with Kashmir as their parents do, because many of them do not have any memories of that place. Many of them were born and brought up outside Kashmir in Jammu, Delhi or other cities of the country, but according to a survey, about 62 percent of the displaced Kashmiri Hindus want to return to their homes if they are guaranteed security. Despite this, in the last five years only 610 Kashmiri Hindus have been able to get their lands back. There are many Kashmiri Hindus who want to see their homes preserved, so that they can sometimes go there and spend some time and connect with their roots. They want to stay connected to their roots so that their culture is preserved. In 1989-90, when terrorism was at its peak in Kashmir and dreadful slogans were being raised against Kashmiri Hindus and they were being selectively killed, there are differences of opinion regarding the number of Kashmiri Hindus and Sikhs who left their homes, but the fact is that about 50 thousand Kashmiri Hindus who fled to save themselves stayed in the refugee camps of Jammu for a long time. There is no greater tragedy than that someone becomes a refugee in one's own country, but this is what happened with Kashmiri Hindus. This situation should have become a matter of national shame, but it did not happen. The question of who is responsible for the exodus of Kashmiri Hindus often gets lost in political allegations and counter-allegations, but the truth is that the collective political will that should have been displayed to provide them justice remained lacking. This lack led to the rule of law being looked down upon and justice being ridiculed. Along with this, it gave strength to the terrorists. The message went to them that they had succeeded in subduing the rule of India. Kashmiri Hindus were ignored not only by successive governments but also by the Supreme Court. He refused to investigate the cases of their planned murders in Kashmir saying that it was too late. This statement only resulted in darkness along with delay in justice. In fact, whenever someone is forced to migrate and is unable to return to his land even if he wants to, then justice is defeated by injustice along with the stubbornness of the rule of law. What happened to Kashmiri Hindus should not happen to anyone. For this, it is necessary that all efforts should be made to settle those Kashmiri Hindus who want to return to their homes, even if special protected areas have to be created for them in the Kashmir Valley. Only this will send a message to the terrorists that India is not going to bow down to terrorism. If Israel can create special settlements to settle Jews in Palestine, then why can't India do the same to settle Kashmiri Hindus on its own land?

The world is troubled by Trump's attitude and is ignoring traditions.

Trump's policies dramatically changed the global structure. Aggressive stance was adopted on Iran and Greenland. Challenge to the traditional American role and global beliefs. One year has passed since Donald Trump's second term as US President. During this one year, he has changed the course of the global structure with his dramatic policies. Even America's traditional allies have become somewhat troubled by his unexpected attitude. Trump, who himself had been advocating for the Nobel Peace Prize for months, adopted a new stance at the beginning of the new year. On January 3, Trump was successful in overthrowing the government in Venezuela within just a few hours and then started showing aggression towards Iran and Greenland. Regarding the brutal suppression of uncontrolled protests in Iran in the past, he also warned that if the regime tightens its grip further, then he will not hesitate in taking any strict action. When news of thousands of protesters being killed came in, Trump said that America is fully prepared to take action and Iran will have to pay a heavy price for it. For this, he also put forward the example of targeting Iran's nuclear facilities last year. The Iranian ruling establishment has denied allegations of killing of protesters and hanging of arrested people, and Trump also cited his personal sources that no such thing is happening. It is a different matter that the Trump administration has imposed fresh and stringent sanctions on people and institutions in Iran who are accused of suppressing protesters and black marketing of oil in the foreign market. Not only this, he also gave a strong message to Iran and its allies by imposing an additional 25 percent tariff on countries doing business with Iran. Apart from Iran, the issue of Greenland seems more important from Trump's point of view. This is because in this the conflict with America seems to be increasing between those countries which have been America's close friends since the Second World War. Trump is destroying the same affinity with these countries. He posted through an AI generated picture that Greenland has become a part of America from 2026. However, Trump's attitude towards Greenland is not new.

Even in his first term, the issue of Greenland has been a focal point of his “National Security Strategy”, often presented as the “Donero Doctrine”. They view the Arctic region as an important strategic front that must somehow be brought under American control. The Trump administration also justifies its stance from the point of view of power competition. Trump has repeatedly reiterated that Greenland is surrounded by Russian and Chinese ships and does not have the military capability to resist any attempted occupation. Greenland's land will also be needed to complete the ambitious 'Golden Dome' project on which Trump is working for America's security. Apart from strategic advantage, Greenland is also very important from the point of view of resources. This island is a treasure trove of those rare minerals and immense reserves of uranium, which are used in making important equipment ranging from advanced defense equipment to move towards environmental adaptation. Although Trump does not make much of it, the appointment of a special envoy to Greenland and promoting the 'Make Greenland Great Again' Act in the US Parliament indicates that he has a keen interest in exploiting the resources of this island. This is why Trump proposed to give 10,000 to 100,000 dollars to every citizen of Greenland to separate from Denmark and join America. However, his proposal has been rejected by civil forums as well as policy makers. Another important change at Trump's level regarding Greenland was that in 2025 he brought it under Northern Command (NORTHCOM) instead of European Command (EUCOM). The main idea behind this was to see Greenland as a bulwark of North America instead of considering it a part of Europe. If we look at it, Greenland is geographically a part of North America, but because it was connected to a European country, it was viewed differently. As far as NORTHCOM is concerned, its main objective is to ensure the defense of America and Canada. In such a situation, Trump's change in policy regarding Greenland indicated that Greenland is now more than just a foreign military base and that it has a special importance of its own in the security of American borders. Despite all efforts, Trump is not getting the expected success in his efforts to fulfill his intentions related to Greenland. This is why he is now threatening to try the military option. There has also been a sharp reaction among European and NATO allies. However, it would be more appropriate to call it Trump's convenient interventionist policy, in which there is no hesitation in using force to serve American commercial and strategic interests. In such a situation, their expectation from the allied countries is that they should either work in accordance with American aspirations or be ready to take the risk of losing America's security cover. This foreign policy of Trump is not only challenging the basic principles of America's traditional role towards the world, but is also linked to the modern world system. It is shaking even widespread beliefs. America, which used to give advice to others, is now ignoring the established traditions that it itself has been advocating. The effects of this change will be far reaching. This foreign policy of Trump is not only challenging the basic principles of America's traditional role towards the world, but is also shaking the broader beliefs related to the modern world system. America, which used to give advice to others, is now ignoring the established traditions that it itself has been advocating. The effects of this change will be far reaching.

सीजेएम विभांशु सुधीर के तबादले के विरोध में अधिवक्ता लामबंद, चंदौसी में जोरदार प्रदर्शन

जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर के आदेश देने वाले मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का तबादला होने के विरोध में अधिवक्ता लामबंद हो गए हैं। बुधवार को जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं वापस लेने की मांग की। संभल में 24 नवंबर मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में तत्कालीन और कोतवाल अनुज कुमार तोमर समेत 22 एफआईआर के आदेश देने वाले मुख्य न्यायिक का सुल्तानपुर स्थानांतरण होने के विरोध में हैं।गुस्साए अधिवक्ताओं ने बुधवार को जिला प्रदर्शन किया। स्थानांतरण वापस लिए जाने चंदौसी बार एसोसिएशन के निर्णय के बाद जाएगी।बुधवार की सुबह अधिवक्ता जिला एकत्र हुए और जोरदार नारेबाजी करते हुए दौरान पूर्व बार अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा विभांशु सुधीर अच्छा कार्य कर रहे थे। पुलिस द्वारा उनका स्थानांतरण कर दिया गया। कहा किया गया है। चंदौसी बार एसोसिएशन जो

ने प्रदर्शन कर स्थानांतरण 2024 को जामा सीओ अनुज चौधरी पुलिस कर्मियों खिलाफ मजिस्ट्रेट विभांशु सुधीर अधिवक्ता लामबंद न्यायालय परिसर में की मांग की। कहा कि आगे की रणनीति बनाई न्यायालय के गेट पर प्रदर्शन किया। इस कि न्यायिक अधिकारी के दबाव में हाईकोर्ट कि आज विरोध प्रदर्शन निर्णय लेगी। उसी आधार पर आगे आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान तमाम अधिवक्ताओं की भागीदारी रही।

दुबई में बवाल का मास्टरमाइंड शारिक साटा, गुर्गों से जंगी एप से करता हैं बात, 69 मुकदमे हैं दर्ज

संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी शारिक साटा की संपत्ति कुर्क की गई है। यह कार्रवाई अदालत के आदेश पर की गई। भारी पुलिस बल और पीएसी की तैनाती के बीच की गई इस कार्रवाई के साथ ही शारिक को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। उसे अब तक किसने पनाह दी इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। संभल हिंसा मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी शारिक सट्टा के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार को अदालत के आदेश पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने शारिक साटा के दीपासराय स्थित मकान पर कुर्की की कार्रवाई की। यह मकान नखासा थाना क्षेत्र में है। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात रही। एसपी ने बताया कि शारिक साटा हिंसा का मास्टरमाइंड है। वह 2020 में फर्जी पासपोर्ट बनाकर दुबई चला गया था। उस पर 6मुकदमे दर्ज है। वह अपने गुर्गों से जंगी एप से बात करता है। उसका एक साथ मुरादाबाद जेल में बंद है। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अदालत के आदेश पर आरोपी की संपत्ति कुर्क की जा रही है। मौके पर राजस्व विभाग और जिला पुलिस की टीम मौजूद है।जामा मस्जिद सर्वे के बाद भड़की थी हिंसा संभल में हालात उस समय तनावपूर्ण हो गए थे जब 19 नवंबर 2024 को अदालत के आदेश पर शाही जामा मस्जिद का सर्वे कराया गया। दावा किया गया था कि इस स्थल पर पहले हरिहर मंदिर था। 24 नवंबर को दूसरे चरण के सर्वे के दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद हिंसा में पांच लोगों की मौत और दर्जनों लोग घायल हो गए थे।चल-अचल संपत्ति कुर्क करने के आदेश अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तर) कुलदीप सिंह ने बताया कि अदालत ने शारिक सट्टा की चल और अचल संपत्तियों की कुर्की के आदेश दिए हैं। कार्रवाई के लिए चार थानों की पुलिस और एक प्लाटून पीएसी को तैनात किया गया है। साथ ही आरोपी से जुड़ी अन्य संपत्तियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हिंदूपुरा खेड़ा निवासी शारिक साटा अदालत में पेश नहीं हुआ था, जिसके बाद उसे धारा 84 के तहत भगोड़ा घोषित किया गया। इसके बाद कुर्की के आदेश जारी हुए।शातिर अपराधी, लंबे समय से फरारपुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि शारिक साटा लंबे समय से फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई बा दबिश दी गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किए जा चुके थे। पुलिस के अनुसार शारिक सट्टा एक कुख्यात ऑटो लिफ्टर है और बड़े स्तर पर वाहन चोरी के मामलों में शामिल रहा है। एसपी ने बताया कि आरोपी को शरण देने वालों की भी पहचान की जा रही है। उसके सहयोगियों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि उसने इतने लंबे समय तक गिरफ्तारी से कैसे बचाव किया। पुलिस को आशंका है कि शारिक सट्टा विदेश भाग चुका हो सकता है। उसकी तलाश लगातार जारी है।लुक आउट नोटिस भी जारी - जामा मस्जिद हिंसा का मास्टरमाइंड शारिक साटा की गिरफ्तारी के लिए संभल पुलिस ने लुक आउट नोटिस भी जारी किया है। आरोपी शारिक साटा वर्ष 2020 में फर्जी पासपोर्ट बनवाकर दुबई भाग गया और वहीं छिपा हुआ है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि 24 नवंबर को संभल में हिंसा के दौरान 28 पुलिसकर्मी और एक एसडीएम घायल हुए थे, जबकि पांच लोगों की मौत हुई थी। इस हिंसा का मास्टरमाइंड शारिक साटा ही है। हरियाणा- दिल्ली पुलिस को भी तलाश - आरोपी उत्तर प्रदेश के साथ हरियाणा और दिल्ली में भी कई मामलों में वांछित है। पुलिस ने जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा में उसकी भूमिका को प्रमुख मानते हुए कार्रवाई की है। पुलिस अब तक उसके कई गुर्गों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। र शिकंजा कसा जा सकेगा।

त्रिशूल संग्रहालय पहुंचे सेना के कई और अत्याधुनिक हथियार

महानगर के बुद्धि विहार फेज 2 में नगर निगम द्वारा विकसित किए जा रहे त्रिशूल संग्रहालय (वार मेमोरियल) के कार्यों में और तेजी आ गई है। इसमें संग्रहीत करने के लिए सेना के कई और अत्याधुनिक हथियार पहुंच गया है। यह संग्रहालय अपने तरह का देश व के मॉडल व सेना की शौर्य गाथा प्रदर्शित की जा रही हैं। दो एआरवी वीटी 55 टैंक, दो टी-55 टैंक, कई अत्याधुनिक यहां लाकर संग्रह किया गया है। इसके अलावा कई जलपोत सेना के अदम्य साहस और शौर्य को चित्रित किया गया है। चौराहों को भी वीरता व शौर्य के रंग में रंगा जा रहा है। नगर गाथा का दर्शन यहां पर मिलेगा। इस संग्रहालय को विकसित नियमित कर रहे हैं। उन्होंने इसके द्घाटन होने तक दाढ़ी भी न दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात में उन्हें लोकार्पण

प्रदेश का अनूठा है। इसमें भारतीय सेना के तीनों अंगों के आधुनिक हथियारों एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में बने त्रिशूल संग्रहालय में फाइटर प्लेट मिग 27, सेना के हथियारों के मॉडल संग्रहित किए गए हैं। हाल में ब्रह्मोस मिसाइलें भी आदि संग्रहीत किए गए हैं। त्रिशूल संग्रहालय की दीवारों पर विभिन्न युद्धों में आपरेशन सिंदूर का जिक्र भी यहां है। इस संग्रहालय के आसपास के चौक निगम द्वारा इस संग्रहालय से वर्तमान व भावी पीढ़ी को भारतीय सेना के गौरव कराने में किए जा रहे कार्यों की मॉनीटरिंग स्वयं नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल बनवाने का संकल्प लिया है। जिसकी सराहना पिछले दिनों 13 जनवरी को के लिए निमंत्रित करने के दौरान जानकारी हुई तो रक्षामंत्री ने उनके संकल्प व कर्तव्य निष्ठा को सराहा था। इसका लोकार्पण 19 फरवरी को प्रस्तावित किया गया है। इस दिन नौ सेना के जनक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती होने के चलते इसे अच्छा अवसर माना जा रहा है।

डेटा आधारित रणनीति से बदलेगी स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर

मुरादाबाद । स्वास्थ्य विभाग ने भविष्य की चुनौतियों से निपटने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए डेटा को सार्वजनिक स्वास्थ्य संपत्ति के रूप में विकसित करने की रणनीति अपनाई है। इस पहल के तहत स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़ों का वैज्ञानिक, लेकर जमीनी स्तर तक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाया आंकड़ों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संकलित किया योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का सटीक प्रणाली से संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, संक्रामक रोग नियंत्रण होगी। आंकड़ों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि असमानता न रहे। इस रणनीति के अंतर्गत डेटा की गोपनीयता

सुरक्षित और व्यवस्थित उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे नीतिगत निर्णयों से जा सके।जिला अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से प्राप्त जाएगा। इससे बीमारियों की प्रवृत्ति, उपचार की स्थिति, दवाओं की उपलब्धता और विश्लेषण संभव होगा। विभाग के अधिकारियों के अनुसार डेटा आधारित निर्णय जरूरतमंद क्षेत्रों की पहचान समय रहते की जा सकेगी।चिकित्साधिकारियों के अनुसार, और गैर-संचारी रोगों जैसी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में डेटा की भूमिका महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे और किसी भी स्तर पर लापरवाही या और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। केवल अधिकृत अधिकारियों को ही आंकड़ों तक पहुंच दी जाएगी, ताकि व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग न हो। डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव का कहना है कि डेटा आधारित प्रणाली से स्वास्थ्य विभाग भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों का पूर्वानुमान लगाने में भी सक्षम होगा, जिससे आपातस्थितियों में त्वरित और सटीक निर्णय लिए जा सकेंगे। यदि डेटा का सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो योजनाओं की निगरानी, रोगों की पहचान और उपचार व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। स्वास्थ्य कर्मियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण- स्वास्थ्य विभाग की रणनीति के तहत स्वास्थ्य कर्मियों को डेटा संग्रह और विश्लेषण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। चिकित्सक, नर्स, एएनएम, आशा कार्यकर्ता और डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रशिक्षण में शामिल होंगे। प्रशिक्षण में सही डेटा एंट्री, डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन और रिपोर्टिंग पर जोर रहेगा। इससे जमीनी स्तर से प्राप्त आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार होगा। डेटा आधारित निगरानी से रोग पहचान और योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

सऊदी अरब में नौकरी का झांसा देकर 2.60 लाख की ठगी

ठाकुरद्वारा । सऊदी अरब में नौकरी दिलाने का लालच देकर एक युवक से 2.60 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर एसएसपी के आदेश के बाद कोतवाली पुलिस ने मामा-भांजे समेत तीन आरोपियों के खिलाफ कोतवाली क्षेत्र के गांव रतूपुरा निवासी मोनिश अली ने गांव के ही मुजफ्फर अली और मुजाहिद ने उससे दिल्ली बेरोजगार युवकों को सऊदी अरब में अच्छे वेतन प्रतिमाह वेतन पर सऊदी अरब भेजने का आश्वासन अली को गांव बुलाया। उसने सऊदी अरब भेजने में 2024 से जुलाई 2024 के बीच अलग-अलग किस्तों दिए।आरोप है कि बाद में महताब अली ने उसे एक एयरपोर्ट पहुंचा तो वहां जांच के दौरान पासपोर्ट और आरोपियों से रुपये वापस मांगे, लेकिन उन्होंने रकम पर कोतवाली ठाकुरद्वारा पुलिस ने मुजफ्फर अली,

धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि कहा कि उनका भांजा महताब अली निवासी संगम विहार पर नौकरी दिलाता है। आरोपियों ने उसे 64 हजार रुपये दिया। बातों में आकर उसने 12 मई 2024 को महताब 2.60 लाख रुपये खर्च होने की बात कही। उसने जून में महताब के खाते में कुल 2.60 लाख रुपये जमा करा पासपोर्ट और वीजा सौंप दिया। लेकिन जब वह दिल्ली वीजा को फर्जी बताया गया। ठगी का एहसास होने प लौटाने से इंकार कर दिया। मामले में एसएसपी के निर्देश मुजाहिद और महताब अली के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाए

संक्षिप्त समाचार

अनुज चौधरी सहित पुलिस कर्मियों पर एफआईआर का आदेश देने वाले जज का तबादला

चर्चित संभल हिंसा प्रकरण में युवक आलम को गोली लगने के मामले में चर्चित अपर पुलिस अधीक्षक अनुज चौधरी व करीब 20 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश देने वाले मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विभांशु सुधीर का तबादला कर दिया गया है। उनके स्थान पर सीनियर डिवीजन सिविल जज चंदौसी आदित्य सिंह को संभल का नया मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। चर्चित एएसपी अनुज चौधरी सहित करीब 20 पुलिस कर्मियों के खिलाफ दर्ज करने के आदेश मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट ने दिए थे। युवक आलम के पिता द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सीजेएम ने मामले में मुकदमा दर्ज करने का निर्णय दिया था, जिसके बाद से प्रकरण लगातार चर्चा में बना हुआ है। न्यायिक प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सीजेएम विभांशु सुधीर के तबादले के साथ ही संभल न्यायालय की जिम्मेदारी अब आदित्य सिंह संभालेंगे। उनके कार्यभार ग्रहण करने के बाद संबंधित मामलों की आगे की सुनवाई उनके समक्ष होगी।

बच्चे नहीं होने पर ससुर-देवर ने महिला को निर्वस्त्र कर पीटा, पति से कराना चाहते हैं तलाक

मुरादाबाद में विवाहिता से देवर और ससुर ने मारपीट कर दी। पीड़िता ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। उसका आरोप है कि बच्चे पैदा नहीं होने पर दोनों पति से तलाक करना चाहते हैं।मूंढापांडे थानाक्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने अपने सास-ससुर और दो देवरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने आरोप लगाया है कि बच्चे नहीं होने पर आरोपियों ने उस पर दबाव बनाया कि वह अपने पति से तलाक लेकर घर से निकल जाए।महिला ने विरोध किया तो उसे निर्वस्त्र कर पीटा गया। पीड़ित महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि करीब दो साल पहले उसकी शादी हुई थी। पति दिल्ली में रहकर नौकरी करता है। दंपती को कोई संतान नहीं है।महिला का आरोप है कि सास-ससुर और दो देवर उस पर पांच माह से दबाव बना रहे हैं कि वह अपने पति से तलाक लेकर घर से चली जाए ताकी वह पति की शादी किसी दूसरी लड़की से करा दें। सोमवार को पीड़िता ने विरोध किया तो ससुर और देवरों ने उसके साथ मारपीट की और उसके कपड़े फाड़कर निर्वस्त्र कर दी। इसके बाद आरोपियों ने उसकी पिटाई की। आस पड़ोस के लोगों ने किसी तरह उसे बचाया और चादर से उसे ढका। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

टैंकर ने बाइक को रौंदा... मुरादाबाद की दो सगी बहनों की मौत, युवक गंभीर; अमरोहा में दर्दनाक हादसा

यूपी के अमरोहा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। नौगांवा सादात क्षेत्र में बिजनौर-मुरादाबाद रोड पर टैंकर ने बाइक को रौंद दिया। हादसे में मुरादाबाद की दो सगी बहनों की मौत हो गई। जबकि युवक गंभीर घायल हो गया। अमरोहा में बड़ा हादसा हुआ है। बिजनौर में रिश्तेदारी से घर लौट रहे बाइक सवारों को पीछे से तेज रफ्तार टैंकर ने रौंद दिया। हादसे में मुरादाबाद की दो सगी की बहन गुलिस्ता खातून (34) और गुलफशा खातून (37) की मौत हो गई। जबकि युवक घायल हो गयामौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उन्हें गंभीर हालत में मुरादाबाद रेफर कर दिया है। मामले में टैंकर के अज्ञात चालक के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मुरादाबाद जनपद के कांठ थानाक्षेत्र के साहूपुर गांव में नफीस अहमद का परिवार रहता है। मुरादाबाद में मझौला थानाक्षेत्र के मोहल्ला करूला के रहने वाले उनके दामाद हैदर अली, बेटी गुलिस्ता खातून और गुलफशा खातून के साथ बिजनौर के नूरपुर में अपनी रिश्तेदारी में गए थे। मंगलवार की देर शाम साथ तीनों बाइक पर सवार होकर घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक आलमपुरी गांव के पास पहुंची तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर के चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार हैदर अली, गुलिस्ता खातून और गुलफशा खातून उछलकर दूर जा गिरीं। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। थोड़ी देर में स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

हमारी संस्कृति - हमारी पहचान संस्कृति उत्सव मंडल स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश आयोजित कार्यक्रम पर बरेली मंडल आयुक्त भूपेन्द्र एस चौधरी द्वारा डॉ ग्रीश यादव सह जिला विद्यालय निरीक्षक नरेन्द्र कुमार उप निदेशक पर्यटन की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित करते हुये मां शारदे को पुष्पांजली अर्पित कर किया गया ।

संस्कृति उत्सव 2026 मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद बरेली एवं शाहजहांपुर के जिला स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कलाकारों ने प्रतिभाग किया । कार्यक्रम में कलाकारों ने एकल गायन ,समूह गायन ,एकल नृत्य ,समूह नृत्य एकल वादन,समूह वादन में प्रतियोगिता हुई । जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा नामित कार्यक्रम क्रम नोडल अधिकारी मनोज दिवाकर प्रधानाचार्य, पंजीकरण एवं प्रमाण पत्र लेखन में डॉ राजेश कुमार सक्सेना प्रधानाचार्य ,पिंकी दिवाकर ममता कुलपद एवं निर्णायक मंडल में श्रीमती गुड्डी पाल प्रधानाचार्या साहू गोपी नाथ इण्टर कॉलेज ऋतु प्रज्ञानन प्रवक्ता द्रौपदी कन्या इण्टर स्द्धड्डह्ल्ह प्रेमपाल संगीत शिक्षक के डी एम इण्टर कॉलेज का सराहनीय योगदान रहा सभी विजयी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र सक्सेना ,मनीष सिंह ने किया ।

जिला स्तर पर 16 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाये जाने के संबंध में हुई बैठक

श्रेष्ठ कार्य करने वाले बीएलओ को किया जाएगा सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तर पर 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाये जाने के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई।

अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मा0 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन दिनांक 25 जनवरी, 2026 को जिला स्तर पर जी.आई. सी. ऑडिटोरियम पर मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन के अवसर पर प्रत्येक बूथ पर तथा विभिन्न स्तरों पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने आये मतदाताओं को शपथ दिलाई जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि बीएलओ द्वारा बूथ पर, निर्वाचक/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा बीआरसी पर, ईएलसी पर तथा जिला मुख्यालय पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाये। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी, 2026 की थीम 'ÒMy India, My VoteÒÒ with the tagline of Citizens at the Heart of Indian Democracyहै, जिससे विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाए। जनपद स्तर पर नामित आइकनों को (ऑडियो-वीडियो संदेशों की रिकॉर्डिंग के माध्यम से) आयोग की पहल के बारे में जागरूकता फैलाने और वर्तमान विषय 'My India, My VoteÒÒ with the tagline of Citizens at the Heart of Indian Democracyको व्यापक रूप से प्रकाशित करने, लोगों से आगामी चुनाव में मतदान करने की अपील की जाए। ऑडियो/वीडियो संदेश को आइकन द्वारा#NVD2026 का उपयोग करके संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किये जाने के निर्देश दिए गए। जनपद के समस्त दिव्यांग व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों, ट्रांसजेंडर और अन्य हाशिए पर रहने वाले वर्गों के व्यक्तियों को मतदाता बनने व मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। आयोग के निर्देशानुसार स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालयों में गठित ईएलसी एवं चुनाव पाठशालाओं पर भी शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किये जायें। अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) ने कहा कि श्रेष्ठ कार्य करने वाले बीएलओ, नए वोटर, महिला, दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर मतदाताओं को सम्मानित किया जाए। जनपद के समस्त विभागों/कार्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों आदि में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता शपथ कार्यक्रम आयोजित किया जाये तथा ''My India, My VoteÒÒ with the tagline of Citizens at the Heart of Indian Democracy विषय पर विभिन्न गतिविधियां यथा निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिता, ड्राइंग और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाये। राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम को पोस्टर, बैनर आदि के माध्यम से प्रदर्शित किया जाये। महिलाओं की सहभागिता हेतु जागरूकता लाने के लिए AWW, ASHA, महिला, स्वयं सहायता समूहों, महिला आइकन आदि की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाये। बैठक में जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर सहित समस्त सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

23 जनवरी से शुरू होगा सातवां बरेली प्रीमियर टी-20 प्राइजमनी क्रिकेट टूर्नामेंट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सातवा बरेली प्रीमियर टी-20 प्राइजमनी क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 23 जनवरी से 30 जनवरी तक निशांत पटेल स्पोटर्स स्टेडियम (जीपी) में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता शकुंतला देवी की स्मृति में आयोजित की जा रही है। यह जानकारी टूर्नामेंट के आयोजक एवं क्लब के अध्यक्ष सुनील सक्सेना और सचिव प्रशांत रायजादा नेएक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी लीग का भव्य आयोजन किया जा रहा है।प्रतियोगिता का शुभारंभ 23 जनवरी को प्रात: 9 बजे होगा और सभी मुकाबले निशांत पटेल स्पोर्ट्स स्टेडियम,डोहरा रोड पर खेले जाएंगे।प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों को शामिल किया गया है, जिनमें स्थानीय टीमों को भी भाग लेने का अवसर दिया गया है। विजेता टीम को 1 लाख रुपये की प्राइजमनी दी जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को 50 हजार रुपये की प्राइजमनी मिलेगी।लीग के सभी मैच रंगीन किट में खेले जाएंगे, जिसकी व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा की जाएगी।यह लीग बरेली क्रिकेट एसोसिएशन से संबद्ध है। आयोजकों ने बताया कि पूर्व में इस लीग में आईपीएल और राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके कई नामचीन खिलाड़ी अपना दमखम दिखा चुके हैं। इस बार भी युवा और प्रतिभाशाली क्रिकेटर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।पत्रकार वार्ता के दौरान मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, संरक्षक संजय सक्सेना, अजीत सक्सेना, ओ.पी. कोहली और क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा मौजूद रहे ।

पेंशनर्स ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति (पेंशनर्स यूनियन) के बैनर तले पेंशनरों ने पेंशन वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। मंडल अध्यक्ष ओपी शर्मा के नेतृत्व में पेंशनर्स ने क्षेत्रीय भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) कार्यालय और जिलाधिकारी के माध्यम से केंद्र सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपा।यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राऊत, राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र सिंह रजावत और उत्तर प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष ओम शंकर तिवारी के आह्वान पर आयोजित किया गया। पेंशनर्स ने ज्ञापन के जरिए चार प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम 7500 रुपये मासिक पेंशन के साथ महंगाई भत्ता देने, पति-पत्नी को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, पेंशन योजना से वंचित सदस्यों को 5000 रुपये मासिक गुजारा भत्ता देने तथा उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुरूप न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित करने की मांग शामिल है। ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडवीय को संबोधित करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट को उनके कार्यालय में सौंपा गया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में ओपी शर्मा, उमेश चंद्र जौहरी, नरेंद्र प्रकाश सक्सेना, साबिर हुसैन, सुशील कुमार सक्सेना, महेश चंद्र ग्वाल, रूम सिंह, डी.डी. शर्मा, शंकर शरण शर्मा, यतेन्द्र कुमार वर्मा, भजन लाल मौर्य और राम बहादुर सिंह सहित अन्य पेंशनर्स मौजूद रहे।

बरेली में चांदी की कीमत 3.21 लाख रुपये के पार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सराफा बाजार में इन दिनों चांदी की चमक ने निवेशकों और व्यापारियों को गदगद कर दिया है, लेकिन आम ग्राहकों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। बरेली में चांदी की कीमतों ने सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए तीन लाख रुपये प्रति किलो का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। बुधवार को चांदी के दाम 321500 रुपये प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गए। सोने के भाव में भी इजाफा हुआ है। सोना का भाव प्रति 10 ग्राम 161000 रुपये रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आई इस तेजी का सीधा असर स्थानीय बाजार में देखने को मिल रहा है। सराफा कारोबारियों के चेहरे खिले सराफा व्यापारी विशाल मेहरोत्रा ने बताया कि सोने-चांदी में लगातार हो रही अप्रत्याशित वृद्धि से सराफा कारोबारियों के चेहरे खिले हुए हैं। व्यापारियों का मानना है कि स्टॉक में रखी चांदी का मूल्य बढ़ने से उन्हें बड़ा मुनाफा हो रहा है। हालांकि, दूसरी ओर मध्यम वर्गीय ग्राहकों के लिए खरीदारी करना अब बजट से बाहर होता जा रहा है। शादी-ब्याह की तैयारी कर रहे परिवारों को अब अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है। सराफा व्यापारियों ने बताया कि बाजार में सोने-चांदी के सिक्कों की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। वहीं सोने के जेवर में कम वजन के जेवर ग्राहकों को खूब भा रहे हैं। वित्त विशेषज्ञ विनय कृष्णान ने बताया की ऊंचे दामों के बावजूद बाजार में ग्राहकों की आवाजाही कम नहीं हुई है। वर्तमान में भारी जेवरों के बजाय चांदी के सिक्कों की मांग सबसे ज्यादा देखी जा रही है। लोग निवेश के उद्देश्य से और शगुन के तौर पर सिक्कों को प्राथमिकता दे रहे हैं। कारोबारियों को उम्मीद है कि सहालग शुरू होते ही बाजार में नकदी का प्रवाह और बढ़ेगा। आने वाले दिनों में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यही रुख रहा, तो घरेलू बाजार में चांदी की कीमतें नए शिखर छू सकती हैं।

प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार-2025 की दौड़ में बरेली का दबदबा, टॉप-40 में स्थान मिला

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार-2025 की समग्र जिला विकास श्रेणी में बरेली जिले का चयन स्क्रीनिंग स्तर पर हो गया है। जिले में बुनियादी सुविधाओं से लेकर सामाजिक, सांस्कृतिक और रोजगारोन्मुख पर्यटन योजनाओं में हुए बदलाव की वजह से यह उपलब्धि हासिल हुई है। योजना में 513 जिलों से प्राप्त आवेदनों में से 40 जिलों को इस श्रेणी में चुना गया है। यूपी से बरेली, हमीरपुर, हाथरस और संभल को अवसर मिला है। डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री पुरस्कार की श्रेणी में जिले का मूल्यांकन हर घर जल योजना, पीएम आवास योजना (ग्रामीण-शहरी), आयुष्मान भारत, मिशन इंद्रधनुष, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा, सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण-2.0, जैसी 11 योजनाओं के क्रियान्वयन के आधार पर हुआ है। डीएम ने कहा कि बरेली में इन योजनाओं को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इन्हें लाभार्थियों तक पहुंचाने पर फोकस रहा है। पेयजल आपूर्ति, आवास, स्वास्थ्य सुरक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, स्वरोजगार और ऊर्जा जैसी जरूरतों में जिले ने संतुलित प्रगति दिखाई है। डीएम ने बताया कि बरेली के सामने अब अगला और निर्णायक चरण है। स्क्रीनिंग कमेटी के सामने डीएम देंगे प्रस्तुति डीएम ने बताया कि बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग में स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्तुतीकरण होगा। जिला प्रशासन को 15 मिनट में अपने कामकाज का खाका रखना है। 10 मिनट का प्रेजेंटेशन और पांच मिनट सवाल-जवाब को दिए जाएंगे। इस समय में गवर्नेंस, क्वांटिटेटिव और क्वालिटेटिव पैरामीटर के साथ जिले में अपनाए गए नवाचार और जमीनी बदलाव को सामने रखा जाएगा।

सनातन संस्कृति की आस्था के केंद्र हैं श्रीराम

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर हुआ सुन्दरकाण्ड का पाठ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अखिल भारतीय साहित्य परिषद ब्रज प्रान्त, बरेली के तत्वावधान में प्रांतीय संरक्षक प्रो कें ए वार्ष्णेय और जनपदीय मंत्री विमलेश चंद्र दीक्षित के द्वारा सुंदरकांड पाठ आयोजन किया गया । कैम्ब्रिज स्कूल के सभागार में सुन्दर काण्ड के संगीतमय पाठ हुआ । साहित्य परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ सुरेश बाबू मिश्रा ने कहा कि आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ है । हमारी सनातन संस्कृति ,धर्म और समाज के लिए यह गौरव के पल हैं । मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम सनातन संस्कृति की आस्था के केंद्र हैं । प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर सुन्दर काण्ड पाठ कर हम सब अपने को गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं । संगीतकार एवं गायक उमेश चन्द्र गुप्ता की गायक मण्डली द्वारा हारमोनियम, तबला, ढोलक, झांझ , मंजीरे की ध्वनि पर मधुर कंठ से पूरी लय ताल के साथ सुन्दर काण्ड का पाठ कर सभागार में मौजूद श्रोताओ को भक्ति-भाव की भावना से ओत-प्रोत कर दिया । दो - ढाई घन्टे तक सब लोग मंत्र मुग्ध बैठे भक्ति रस का आनन्द लेते रहे । बीच- बीच में जय श्रीराम का उद्घोष गूंजता रहा । सुन्दर काण्ड के समापन पर प्रांतीय संरक्षक प्रो कृष्ण अवतार वार्ष्णेय, प्रांतीय अध्यक्ष डॉ सुरेश बाबू मिश्रा, डॉ एस पी मौर्य, विमलेश दीक्षित ने सुन्दर काण्ड का संगीतमय पाठ करने बाले कलाकारों को जय श्रीराम का पटका ओढ़ाकर सम्मानित किया गया । सम्मानित होने बालों में उमेश चन्द्र गुप्ता, मोहन चन्द्र पाण्डेय, रामचन्द्र गंगवार, पूजा दीक्षित, दक्ष शर्मा ,अंकुर राजपूत, निर्भय राजपूत शामिल रहे । इस अवसर पर श्रीमती मिथिलेश वार्ष्णेय, डॉ एस पी मौर्य, विमलेश दीक्षित, डॉ अखिलेश कुमार गुप्ता, सरदार गुरविंदर सिंह, निर्भय सक्सेना, गंगाराम पाल, रितेश साहनी, डॉ अनिल मिश्रा, प्रवीण कुमार शर्मा, प्रमोद कुमार मिश्रा और नवनीत वार्ष्णेय , निर्भय सक्सेना आदि शामिल रहे

दबंगो ने मकान के ताले तोड़कर किया मकान पर कब्जा, घटना सी सी टीवी कैमरे में कैद

- पीड़ित ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / मुरादाबाद भोजपुर थाना क्षेत्र पीपलसाना निवासी लियाकत अली अपने पुश्तेनी मकान में लगभग पचास वर्ष से परिवार के साथ गुजर बसर करते आ रहे हैं जिसमे बब्बू पप्पू अपना मकान 8 वर्ष पूर्व वेचकर वहाँ से जा चुके थे लेकिन अपनी दबंगई के चलते मकान के ताले तोड़कर कब्जा कर लिया है पीड़ित लियाकत अली ने जिलाधिकारी व कमिश्नर को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि बब्बू पप्पू अख्तर पुत्रगण अमीर हुसैन ने भूतल पर बने मकान के ताले तोड़कर शटर को काटकर उसका सभी समान लूट लिया और कुछ कपडो एंव समान को आग लगा दी जिसमें बब्बू व पप्पू के परिवार की महिलाएं भी शामिल है घटना की वीडियो सी सी टीवी कैमरे में कैद है पुलिस ने कोई भी कार्यवाही नहीं की आरोपी जानसे मारने की धमकी दे रहे हैं द्य पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिलाधिकारी एंव कमिश्नर को शिकायती पत्र देकर अपने परिवार की सुरक्षा ओर इंसाफ की गुहार लगाई है द्य

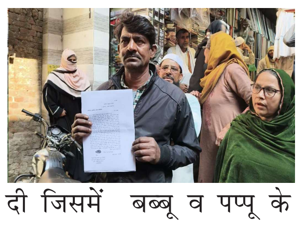

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर, 10 बीघा में हो रहा निर्माण ध्वस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने थाना किला क्षेत्र अंतर्गत आनंद विहार कॉलोनी के पीछे स्थित किला छावनी इलाके में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। बीडीए उपाध्यक्ष डा. ए मनिकंडन ने बताया कि अतीक अहमद द्वारा लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में बिना किसी स्वीकृति के भूखंडों का चिन्हांकन किया गया था। साथ ही सड़क, नाली, साइट ऑफिस और बाउंड्रीवाल आदि का निर्माण कर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। निर्माणाधीन कॉलोनी पर बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। उन्होंने बताया कि बिना स्वीकृति किसी भी प्रकार का कॉलोनी विकास गैरकानूनी है और भविष्य में भी इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। नागरिकों से अपील है कि भूखंड खरीदने से पहले संबंधित स्वीकृतियों की जांच जरूर करें ताकि किसी प्रकार की कानूनी परेशानी से बचा जा सके।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को दो साल हुए पूरे, मुख्य मंदिर के साथ 14 अन्य मंदिरों का हुआ निर्माण

22 जनवरी से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को दो साल पूरे हो जाएंगे। इन दो वर्षों में राम मंदिर में कई सारे अन्य मंदिरों का भी निर्माण हुआ है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दो साल 22 जनवरी को पूरे हो जाएंगे। ऐतिहासिक अनुष्ठान के साथ जिस स्वप्न ने देश-दुनिया के सामने खड़ा है। इन दो वर्षों में न जन्मभूमि परिसर 14 अन्य भव्य मंदिरों से सज्जित में विकसित हो चुका है।अयोध्या में आस्था, संघर्ष के दो वर्ष पूरे हो गए हैं। ऐसे में राम मंदिर निर्माण की करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह मंदिर परिसर संस्कृति, स्थापत्य कौशल और आधुनिक सुविधाओं स्वरूप रामलला तो विराजमान हैं ही, अब प्रथम तल 800 मीटर लंबा परकोटा भी बनकर तैयार हो गया है। सूर्य, हनुमान, माता भगवती, अन्नपूर्णा) के मंदिर भी गरिमा को और ऊंचाई दी है।परिसर समरसता का भी भूमिका निभाने वाले महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, के भी मंदिर परिसर में बनकर तैयार हैं। हालांकि यह साल के भीतर श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोपरि इंतजाम, डिजिटल सूचना प्रणाली, सुगम मार्ग,

साकार रूप लिया था, वह आज पूर्ण भव्यता के साथ केवल मुख्य मंदिर का निर्माण पूर्ण हुआ, बल्कि राम होकर एक विराट धार्मिक-सांस्कृतिक परिसर के रूप और संकल्प का प्रतीक बने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा यात्रा को जानना जरूरी हो उठता है। करीब 1600 अब केवल पूजा-अर्चना का केंद्र नहीं, बल्कि सनातन का अद्वितीय संगम बन गया है। राम मंदिर में बाल पर राम परिवार के भी दर्शन हो रहे हैं। इसके अलावा परकोटा में छह देवी-देवताओं (भगवान शंकर, गणेश, आकार ले चुके हैं। इन मंदिरों ने परिसर की आध्यात्मिक संदेश देता नजर आता है। श्रीराम के जीवन में महत्वपूर्ण वशिष्ठ, अगस्त्य, निषादराज, अहिल्या व माता शबरी मंदिर अभी श्रद्धालुओं के लिए नहीं खोले गए हैं। दो रखते हुए आधुनिक दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा के पुख्ता प्रतीक्षालय, पेयजल, स्वच्छता और दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं विकसित की गई हैं। देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए रामनगरी अब सुव्यवस्थित और सुसज्जित धार्मिक नगरी के रूप में उभरी है। राम मंदिर में मिल रही यह सुविधाएं100 फीट चौड़ा राम जन्मभूमि पथ - दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए व्हीलचेयर की सुविधा - दर्शनपथ से लेकर राम मंदिर तक एलईडी टीवी - दर्शनपथ पर स्थायी कैनोपी, वाटर प्लांट, शौचालय की व्यवस्था। - श्रद्धालुओं के सामान व जूता-चप्पल जमा कराने के लिए लॉकर - 25 हजार श्रद्धालुओं की क्षमता वाला तीर्थयात्री सुविधा केंद्र - आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल

गर्भवती विवाहिता की मौत: पिता का आरोप- दामाद ने की हत्या, फोन पर बोला था- सपना को ले जाओ नहीं तो मार दूंगा

शाहजहांपुर के पुवायां क्षेत्र में गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। विवाहिता के पिता ने दामाद और उसके परिजनों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। उनकी तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हिरासत में लिया है। में किसान सहकारी चीनी कंपनी के माध्यम से कार्यरत की पत्नी सपना देवी (26 में मौत हो गई। सपना के चार परिजनों पर दहेज के कराई है। पुलिस ने सुमित है।सुमित कुमार की दो लगभग चार बजे रोने

पुलिस ने आरोपी पति को शाहजहांपुर के पुवायां क्षेत्र मिल में आउटसोर्सिंग गांव टकेली के सुमित कुमार वर्ष) की संदिग्ध हालात पिता ने सुमित और उसके लिए हत्या की रिपोर्ट दर्ज को हिरासत में ले लिया वर्षीय पुत्री बुधवार सुबह लगी। आवाज सुनकर परिजन उठे तो सुमित की पत्नी सपना का शव कमरे में लगे कुंडे में साड़ी से लटकता देखकर खलबली मच गई। शोर शराबा होने पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे। इस बीच परिजनों ने शव को फंदे से उतार लिया। सुमित की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया। इस बीच सुमित के परिजन शव छोड़कर भाग गए।सुमित की सूचना पर सपना के मायके पीलीभीत के थाना माधौटांडा के गांव सुंदरपुर फुलेहर के कई लोग टकेली पहुंचे और दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। इसके बाद सपना के पिता राकेश कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने पुत्री की शादी 15 फरवरी 2020 में टकेली के सुमित कुमार से की थी। चार माह की गर्भवती थी सपना - शादी के बाद से ही सुमित और उसके परिजन दहेज में बुलेट बाइक और सोने की चेन की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर सपना को प्रताड़ित करते थे। कोर्ट के माध्यम से उन्होंने पुत्री को विदा किया था। सपना चार माह की गर्भवती थी। 20 जनवरी को सुमित ने उनको कॉल कर कहा था कि अपनी पुत्री को ले जाओ नहीं तो जान से मार देंगे। बुधवार को सुबह सवा पांच बजे वह पुत्री की ससुराल पहुंचे तो सपना मृत पड़ी मिली। आरोप लगाया कि दामाद सुमित, सुमित के चाचा मुनेश कुमार, मां चंपा देवी, चचेरे भाई कुलदीप, चचेरी बहन राखी ने मिलकर सपना की हत्या कर दी है और भाग गए हैं। सीओ पुवायां प्रवीण मलिक ने बताया कि दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खेत में महिला का अधजला शव मिला, पुलिस को पास से आधार कार्ड व रेल टिकट मिले

घटना कानपुर-झांसी हाईवे किनारे की है। हत्या के बाद शव जलाकर फेंकने की आशंका जताई जा रही है। कानपुर-झांसी हाईवे पर उसरगांव के खेत में महिला का अधजला शव मिला है। शव हाईटेंशन टावर के पास पड़ा था और उससे धुआं निकल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कर शव गया है। पुलिस ने शव को के प्रयास शुरू कर दिए बुधवार दोपहर उसरगांव पड़ोसी किसान के खेत में की सूचना पर मौके पर विद्युत विभाग के हाईटेंशन

को यहां लाकर जलाया कब्जे में लेकर शिनाख्त हैं।कोतवाली क्षेत्र में निवासी किसान बब्लू पानी का पाइप डालने पहुंचे थे। खेत में लगे टावर के पास पहुंचते ही उन्होंने महिला का अधजला शव देखा। इस पर उसने इसकी सूचना डायल 112 पर दी गई। इसके बाद कोतवाली पुलिस को अवगत कराया गया।सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी अजय ब्रह्म तिवारी व सीओ अवधेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान शव के पास से एक अधजला आधार कार्ड और रेल टिकट बरामद हुआ है। इससे महिला के गैर प्रांत की होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। हालांकि अभी तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। आधार कार्ड बन सकता है खुलासे की अहम कड़ी हाईवे किनारे मिले महिला के शव की शिनाख्त पुलिस के लिए आसान नहीं है। हत्यारों ने पहचान छिपाने के उद्देश्य से चेहरा और शरीर का काफी हिस्सा जला दिया है। ऐसे में घटनास्थल से मिला अधजला आधार कार्ड पुलिस के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है, बशर्ते वह फर्जी न हो। हत्या के बाद शव फेंकने की आशंका- महिला का शव हाईवे से करीब 50 मीटर की दूरी पर विद्युत टावर के पास मिला है, जहां फसल नहीं बोई गई थी। घटनास्थल पर ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला है जिससे वहीं हत्या किए जाने की पुष्टि हो सके। पुलिस का मानना है कि हत्या कहीं और कर शव को यहां लाकर जलाया गया है।पूर्व में भी नहीं हो सकी अज्ञात शवों की शिनाख्त- कोतवाली क्षेत्र में अज्ञात शव मिलने का यह पहला मामला नहीं है। वर्ष 2025 में 2 फरवरी को जोल्हूपुर मोड़ के पास मदारीपुर रोड पर एक साथ दो शव मिले थे, जिनमें एक शव जला हुआ था, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी शिनाख्त नहीं हो सकी थी। इसके अलावा गत वर्ष जोल्हूपुर में रेलवे लाइन किनारे मिले महिला के शव की भी पहचान नहीं हो पाई थी। महिला का शव मिलने की सूचना पर जांच की जा रही है। टीम को मौके से अधजला आधार कार्ड व टिकट मिला है। उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही शिनाख्त की जाएगी। - डॉ. दुर्गेश कुमार, एसपी, जालौन

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर का सराहनीय कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच / संवाददाता सोनू /नोएडा, गौतम बुद्ध नगर / थाना फेस-2 पुलिस व सीआरटी स्वाट-02 टीम के संयुक्त प्रयास से फाइनेंस के नाम पर फर्जी दस्तावेजो को प्रयोग कर धोखाधड़ी करने वाले 03 अभियुक्त गिरफ्तार, (लग्जरी) गाडियां एंव 28 कार्ड, पेन कार्ड व आर0सी0) विवरण- दिनांक 20.01.2026 सीआरटी स्वाट-02 टीम के नाम पर फर्जी दस्तावेज का वाले 03 अभियुक्त 1. अमित अनुराग उर्फ अमित पुत्र धर्मवीर गोवर्धन भावरी को फूलमण्डी गया है। अपराध का तरीका- कार्डों, पैन कार्ड व वोटर कार्ड से दस्तावेज तैयार कराकर क्रय कर लेते है उसके बाद बैंक फाइनेन्स (लोन) को जमा

कब्जे से 05 चार पहिया कार्ड (आधार कार्ड, वोटर बरामद। कार्यवाही का को थाना फेस-2 पुलिस व संयुक्त प्रयास से फाइनेंस के प्रयोग कर धोखाधड़ी करने गुप्ता पुत्र सुदेश कुमार 2. सिंह 3. नवीन भावरी पुत्र के पास से गिरफ्तार किया ये सभी अभियुक्तगण आधार के माध्यम से फर्जी तरीके गाड़ियों को फाइनेंस कराकर क्रय की गयी गाड़ियों के किये बिना अलग अलग राज्यो में ले जाकर बेच देते है तथा बेचते समय ग्राहको को यह आश्वसन देते है कि सम्बन्धित वाहन की दो- तीन माह में एनओसी उपलब्ध करा देगें। लोन की मासिक किश्त जमा न होने पर बैंक एजेन्ट दिये गये पते पर सम्पर्क करता है तो लोन के समय उपलब्ध कराये गये दस्तावेजो में अंकित कराया गया पता फर्जी पाया जाता है। 1.ये सभी अभियुक्त विभिन्न आधार कार्डों, पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड के माध्यम से लोन कराकर गाडियां खरीदते थे। 2. ये सभी अभियुक्त फाइनेन्स का भुगतान किये बिना उन फाइनेन्स गाड़ियों को अलग अलग राज्यो(पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, राजस्थान) में ले जाकर कम कीमत पर बेच देते थे। 3. ये सभी अभियुक्त उसी गाड़ी पर पुनः लोन लेने के लिये आर.सी पर पूर्व से प्रदर्शित ।।4श्चश्ळद्दद्दष्ड्ढह्ळद्बश्ठ्ठ को हटाकर उसी वाहन पर पुनः बैंक से लोन करा लेते है। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. अमित गुप्ता पुत्र सुदेश कुमार निवासी बी-5/7 द्वितीय तल माँडल टाऊन थाना माँडल टाऊन, दिल्ली उम्र करीब 44 वर्ष, शिक्षा-कक्षा- 12वीं 2. अनुराग उर्फ अमित पुत्र धर्मवीर सिंह निवासी बाँकनेर थाना खैर जिला अलीगढ़ उम्र करीब 27 वर्ष शिक्षा- कक्षा -12वीं 3. नवीन भावरी पुत्र गोवर्धन भावरी निवासी आशापूर्नीय मंदिर के पास थाना सदर जिला पठनाकोट पंजाब उम्र करीव 48 वर्ष शिक्षा- कक्षा -12वीं अभियुक्त अमित गुप्ता उपरोक्त के विरुद्ध पंजीकृत अभियोग- 1.मु0अ0सं0 573/2025 धारा 318(2)/336(3)/61(2)/3(5) बी.एन.एस थाना प्रशांत विहार रोहणी दिल्ली 2. मु0अ0स0 43/2026 धारा 318(4)/336(3) 338/340(2)/3(5) बीएनएस थाना फेस 2 गौतमबुद्धनगर अभियुक्त अनुराग उपरोक्त के विरुद्ध पंजीकृत अभियोग- 1.मु0अ0स0 43/2026 धारा 318(4)/336(3) /338/340(2)/3(5) बीएनएस थाना फेस 2 गौतमबुद्धनगर अभियुक्त नवीन भावरी उपरोक्त के विरुद्ध पंजीकृत अभियोग- 1. मु0अ0स0 43/2026 धारा 318(4)/336(3) 338/340(2)/3(5) बीएनएस थाना फेस 2 गौतमबुद्धनगर अभियुक्तगण से बरामदगी का विवरण- 1. 01 थार गाड़ी रजि0न0 -यूपी 14 जीडब्ल्यू 2833 2. 01 ग्रांड विटारा रजि0नं0-डीएल 2सीबी एफ 2307, 3. 01 किया सेल्टॉस रजि0न0- यूके 07 एचए 3170 4. 01 महिन्द्रा स्कार्पियों एन रजिस्ट्रेशन नं0-डीएल 8सीबी एच 1171 5. 01 अर्बन क्रूजर टेजर रजि0 नं0-डीएल 14 सीएल 10576. 28 कार्ड (आधार कार्ड, पैन कार्ड, आर0सी0 व डीएल)

संक्षिप्त समाचार

बुलंदशहर में बवाल: बैलगाड़ी दौड़ के दौरान हिंसक झड़प, पथराव के साथ हुई फायरिंग; दो दर्जन लोग जख्मी

यूपी के बुलंदशहर जिले में कोतवाली गुलावटी क्षेत्र के हाईवे पर बूढ़े बाबू की दौज के मेले में आयोजित बैलगाड़ी दौड़ के दौरान दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। आरोप है कि कुछ युवकों द्वारा मोटा

दांव लगाकर दौड़ शुरू करने के बाद उसमें व्यवधान उत्पन्न किया गया। इस पर दबंगों ने मारपीट, पथराव और फायरिंग की। इस घटना में करीब दर्जन भर लोग घायल हो गए।घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे लोग एक-दूसरे पर पथराव कर रहे हैं और गोलियां चल रही हैं। प्रभावितों ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई हैपुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर चार नामजद सहित 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, ग्रामीण अभी भी अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं और कोतवाली पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे हैं। घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है।

परिवार को खत्म करने की फिराक में था अशोक, एक साल पहले किया था ये काम, बहनोई ने किया खुलासा

यूपी के सहारनपुर में नकुड़ तहसील के संग्रह अमीन अशोक राठी ने मां पत्नी कार्तिक व मारकर हत्या अशोक के बताया कि के बाद

मंगलवार को विद्यावती, अंजिता, बेटे देव की गोली कर दी थी। बहनोई ने पिता की मौत अशोक अवास में आ गया था।अशोक राठी अपने परिवार को खत्म करना चाहता था। करीब एक साल पहले संग्रह अमीन अशोक राठी ने अपने पूरे परिवार को नींद की गोलियां दे दी थीं। तब डॉक्टरों ने उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए परिवार को सतर्क रहने के लिए कहा था। हालांकि परिवार को जरा भी आभास नहीं था कि अशोक इतना बड़ा कदम उठा सकता है। यह भी सामने आया कि करीब चार साल पहले पिता की मौत के बाद अशोक अवसाद में चला गया था।इस घटनाक्रम के बाद खारीबांस गांव में पहुंचे बड़े बहनोई जयवीर सिंह ने बताया कि हत्या के पीछे अशोक की क्या मजबूरी रही होगी, यह

समझ से परे है। आशंका यही है कि अशोक ने मानसिक अवसाद में इस घटना को अंजाम दिया है। बताया कि वह गत रविवार को अशोक के घर गए थे, वहां पर एक फरवरी को होने वाले नए मकान के मुहूर्त की तैयारी चल रही थी। पूरा परिवार खुश था। खुद अशोक भी बाजार से सामान खरीदारी में लगा हुआ था। जयवीर ने बताया कि परिवार में किसी तरह का कोई विवाद भी सामने नहीं आया था। उन्होंने बताया कि पिता की मौत के बाद से ही अशोक मानसिक तनाव में जरूर रहता था और पूर्व में भी वह पूरे परिवार को मुश्किल में डाल चुका था। वह परिवार के साथ गांव में बसना चाहता था। जयवीर के अनुसार अशोक ने अवसाद के कारण पहले भी परिवार को खत्म करने की कोशिश की थी, लेकिन वह सफल नहीं हुआ था। उसका चंडीगढ़ में इलाज चल रहा था। वहीं से दवाई लेकर आता था। बताया कि डॉक्टरों ने भी परिवार को अशोक से बचकर रहने की सलाह दी थी। गांव में चर्चा यह भी थी कि अशोक कई बार पहले कह चुका था कि वह अपने पूर परिवार को खत्म करेगा। उसने अपने इस कथन को सत्य कर दिया और पूरे परिवार की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली। गांव में पहुंचे जनप्रतिनिधि- खारीबास गांव में बुधवार को जनप्रतिनिधि पहुंचे। पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी व भाजपा नेता राजसिंह माजरा ने गांव पहुंचकर परिजनों को दुख की इस घड़ी में सांत्वना दी और घटना के विषय में बात की।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
22 January 2026

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा द्वारा ग्राम सोहेलवा में मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भिनगा के दिशा-निर्देशन में जी समवाय भैंसाहीनाका के अंतर्गत आने वाले ग्राम सोहेलवा में मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस चिकित्सा शिविर में डॉ. प्रवीण कुमार (चिकित्सा अधिकारी) एवं डॉ. अभिषेक कुमार सिंह (चिकित्सा अधिकारी) सिरसिया द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। उनके साथ सहायक उप निरीक्षक (फार्मा) आलोक यादव तथा मुख्य आरक्षी नवीन कुमार ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर के दौरान ग्राम सोहेलवा के लगभग 80 ग्रामीणों/स्थानीय लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार मुफ्त दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही ग्रामीणों को संक्रामक रोगों से बचाव, व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई, सुरक्षित पेयजल एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल द्वारा आयोजित इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। इस प्रकार के चिकित्सा शिविर सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने तथा बल एवं जनता के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कानी बोझी नहर के दोनों पटरी पर अवैध ठेला/रेहड़ी, दुकान, ढाबली को हटवाकर कराया अतिक्रमण मुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती जनपद में पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने का विशेष अभियान निरंतर जारी है। इसका उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुचारू रखना तथा आमजन को सुरक्षित एवं निर्विघ्न आवागमन उपलब्ध कराना है। इसी क्रम मे उपजिलाधिकारी जमुनहा संजय रॉय, सिंचाई विभाग व थाना मल्हीपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कानीबोझी चौराहे पर नहर के दोनों किनारो पर पैदल गश्त करते हुए सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। इस दौरान सड़क पर अवैध रूप से खड़े ठेले, रेहड़ी, रोड किनारे बढ़ाकर लगाए गए दुकानों, ढाबली एवं वाहनों को हटाया गया साथ ही संबंधित दुकानदारों एवं ठेला संचालकों को सख्त हिदायत दी गई कि वे आगे से सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करें।

शिवपुरी पुलिस की बड़ी कामयाबी: 1.53 करोड़ की चोरी का खुलासा, 46 किलो चांदी-स्वर्ण आभूषण बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा(कटारे)/ शिवपुरी/कोलारस। शिवपुरी पुलिस ने चोरी के एक बड़े मामले में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए कोलारस कस्बे की एक सोना-चांदी की दुकान से चोरी गए करीब 1 करोड़ 53 लाख रुपये मूल्य के आभूषण बरामद कर लिए हैं। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 27 जुलाई 2025 को फरियादी गिरीश कुमार जैन, निवासी सदर बाजार कोलारस ने थाना कोलारस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने 26/27 जुलाई की रात उनकी सोना-चांदी की दुकान का शटर तोड़कर पायल, कड़े, चूड़ा, मंगलसूत्र सहित सोने-चांदी के कीमती आभूषण चोरी कर लिए। इस पर थाना कोलारस में अपराध क्रमांक 285/2025, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ स्वयं मौके पर पहुंचे और तत्काल पांच विशेष टीमों का गठन किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी कोलारस श्री संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में पुलिस टीमों द्वारा 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई तथा शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना व भिंड जिलों में करीब 100 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की गई। सायबर सेल ग्वालियर एवं शिवपुरी के सहयोग से तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए। 20 जनवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अमन रावत (22 वर्ष) निवासी खोंकर रोड सेसई सड़क, थाना कोलारस को चोरी का माल बेचने जाते समय पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी निशानदेही पर अभिषेक रावत (19 वर्ष) निवासी ग्राम कुलवारा को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने स्वीकार किया कि चोरी किया गया माल ग्राम खोंकर में ठाकुर बाबा के चबूतरे के पास गड्ढा खोदकर छिपाया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 46 किलो चांदी एवं सोने के आभूषण बरामद किए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 53 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में संजय रावत एवं जानकी रावत फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। इस सफल कार्रवाई में एसडीओपी कोलारस श्री संजय मिश्रा, थाना प्रभारी निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर, उनि सौरभ तोमर, उनि सावित्री लकड़ा सहित थाना कोलारस की टीम एवं सायबर सेल ग्वालियर व शिवपुरी की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी ने पूरी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिले में अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी

जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री के प्रचार-प्रसार हेतु कलेक्ट्रेट परिसर से जागरूकता वाहन को किया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती जिलाधिकारी ने कृषकों से किया अपील, कृषक भाई अपनी फार्मर रजिस्ट्री अवश्य बनवाये कृषकों द्वारा सरकारी योजनाओं का सहज एवं शीघ्र लाभ प्राप्त करने एवं किसानों के अभिलेखों की डिजिटल पहचान के लियें फार्मर रजिस्ट्री आवश्यक है। जिसके तहत जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय एवं उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी ने फार्मर रजिस्ट्री के प्रचार-प्रसार हेतु कलेक्ट्रेट परिसर से जागरूकता वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन जनपद के समस्त तहसीलों, ब्लाकों के ग्राम पंचायतों में जाकर फार्मर रजिस्ट्री बनवाने हेतु प्रचार-प्रसार करेंगे। जिससे अधिक से अधिक किसान भाई इसका लाभ उठा सकें और समय से अपना फार्मर रजिस्ट्री बनवा लें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त कृषकों से अपील किया है कि कृषक भाई अपनी फार्मर रजिस्ट्री अवश्य बनवाये। फार्मर रजिस्ट्री कृषकों की डिजिटल पहचान है कृषकों द्वारा सरकारी योजनाओं का सहज एवं शीघ्र लाभ प्राप्त करने एवं किसानों के अभिलेखों की डिजिटल पहचान के लियें फार्मर रजिस्ट्री आवश्यक है। फार्मर रजिस्ट्री बनाने हेतु ग्राम पंचायतों में कृषि विभाग/राजस्व विभाग/रोजगार सेवक/पंचायत सहायकों के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है। किसान भाई इन कैम्पों में जन सेवा केन्द्र/कृषि विभाग/राजस्व विभाग, रोजगार सेवक/पंचायत सेवक के माध्यम अपनी फार्मर रजिस्ट्री आवश्य बनवायें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी प्रवीण यादव, अपर जिला कृषि अधिकारी अश्वनी कुमार सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

आपरेशन रक्षा के तहत एएसपी ने होटल संचालकों के साथ की गोष्ठी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन को प्राथमिकता देते हुए मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत संचालित विशेष अभियान आपरेशन रक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक गोष्ठी आयोजित की गई गोष्ठी की अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम द्वारा की गई गोष्ठी में जनपद के होटलों के संचालक / मालिक उपस्थित रहे। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि आपरेशन रक्षा का उद्देश्य अवैध रूप से संचालित प्रतिष्ठानों पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए मानव तस्करी कर लाई गई महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित रेस्क्यू करना तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी संचालकों को अपने प्रतिष्ठान पूर्णतः वैधानिक रूप से संचालित करने तथा किसी भी प्रकार की अनैतिक गतिविधि से दूर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे, कर्मचारियों का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए तथा पुलिस द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण में पूर्ण सहयोग किया जाए। अभियान के अंतर्गत 16 से 30 जनवरी तक सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

संदिग्ध फफूंदनाशक से फसलों को नुकसान, कृषि सेवा केंद्र सील

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले के विकासखंड बदरवास अंतर्गत किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचने का मामला सामने आया है। खटौरा स्थित मैसर्स अग्रवाल कृषि सेवा केंद्र से 18 जनवरी को खरीदे गए फफूंदनाशक श्रीकर कलिंगा के उपयोग से फसलों को क्षति होने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बदरवास के. कोली एवं क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच के बाद संबंधित कृषि सेवा केंद्र को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। कृषि विभाग द्वारा संदिग्ध फफूंदनाशक को सील कर उसका नमूना परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है। साथ ही, प्रभावित किसानों की सूची तैयार की जा रही है तथा फसलों का निरीक्षण कार्य लगातार जारी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, फसलों में वास्तविक क्षति की स्थिति प्रयोगशाला रिपोर्ट एवं विस्तृत निरीक्षण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इस बीच कृषि विभाग ने किसानों को श्रीकर कलिंगा फफूंदनाशक का उपयोग न करने की सलाह दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप संचालक कृषि द्वारा जिला स्तरीय जांच दल का गठन किया गया है, जो उक्त फफूंदनाशक का प्रयोग करने वाले किसानों की फसलों का मौके पर निरीक्षण कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक अग्रिम कार्रवाई की जाएगी, ताकि किसानों को हुए नुकसान का आकलन कर उचित कदम उठाए जा सकें।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी के खिलाफ छात्रो का बड़ा विरोध प्रदर्शन...

क्यूँ न लिखूँ सच / संवाददाता सोनू /ग्रेटर नोएडाः गलगोटिया यूनिवर्सिटी के खिलाफ छात्रो का बड़ा विरोध प्रदर्शन... आज समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मोहित नागर के नेतृत्व मे गलगोटिया यूनिवर्सिटी के खिलाफ छात्रो ने बड़ा विरोध प्रदर्शन शुरू किया छात्रो का आरोप है की यूनिवर्सिटी छात्रो से अवैध उगाही कर रही है

संक्षिप्त समाचार

निजी भूमि पर बाउंड्रीवाल बनाने पर बवाल, मारपीट के बाद झूठे SC/ST केस में फँसाने की धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रतापपुर- जिले के गोविंदपुर पंचायत अंतर्गत चौकी रेवटी से कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। निजी पट्टे की भूमि पर बाउंड्रीवाल निर्माण करा रहे एक ग्रामीण के साथ खुलेआम मारपीट, जान से मारने की धमकी और उसके बाद झूठे SC/ST एक्ट में फँसाने की धमकी दिए जाने का आरोप लगा है। पीड़ित लक्ष्मीनारायण पटेल (55 वर्ष) ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8ः30 बजे, उनकी निजी पट्टे की भूमि पर चल रहे बाउंड्रीवाल निर्माण को लेकर निर्मल नेताम एवं उसकी बहन मनबसिया ने सरपंच और अपने रिश्तेदारों की मौजूदगी में हमला किया। इस दौरान न सिर्फ मारपीट की गई, बल्कि खुलेआम जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित का आरोप है कि हमले के बाद अब दबाव बनाने के लिए SC/ST एक्ट में झूठे केस में फँसाने की धमकी लगातार दी जा रही है, जिससे पूरा परिवार भय और मानसिक तनाव में है। हैरानी की बात यह है कि भूमि पूरी तरह कानूनी रूप से पट्टे पर दर्ज है, इसके बावजूद निर्माण कार्य को जबरन रोका जा रहा है। घटना की शिकायत चौकी रेवटी में की जा चुकी है तथा पीड़ित के पास एमएलसी रिपोर्ट भी मौजूद है, लेकिन इसके बावजूद धमकियाँ जारी हैं। पीड़ित ने अब पुलिस अधीक्षक सूरजपुर, कलेक्टर सूरजपुर एवं आज़ाक थाना (SC/ST) को लिखित आवेदन देकर निष्पक्ष जांच, पुलिस संरक्षण और सख्त कार्यवाही की माँग की है।

मिशन शक्ति को लेकर मटेरा पुलिस जिले में नंबर वन

क्यूँ न लिखूँ सच / संवाददाता अमरीक सिंह/ मिशन शक्ति को लेकर मटेरा पुलिस जिले में नंबर वन पर जागरूक महिला सशक्तिकरण व बालिकाओं को जागरूक किया जा रहा है मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत थाना मटेरा के अंतर्गत ग्राम दर्शन पुरवा दा0 रघुनाथपुर थाना मटेरा जनपद बहराइच में उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकरी योजना के बारे मे महिलाओं व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं व बालिकाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया... महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1090 ,1098 ,1076, 112 ,181, 108.... श्वह्लष्ठ व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा सरकारी योजनाएं *जैसे कन्या सुमंगला योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना,मातृ वंदना योजना,वृद्धा पेंशन योजना,आयुष्मान प्रधानमंत्री, उज्जवला योजना ...... Etc* व बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए जानकारी दी गयी। एंटी रोमियो टीम उ0नि0 श्री अहमद हुसैन उ0नि0 श्री सुनील कुमार सिंह हे0कां0 दिग्विजय सिंह कां0 इंद्रेश राणा म0आ0 सौम्या रावत

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में आया मातृसदन, स्वामी शिवानंद सरस्वती ने बनाई आंदोलन की रणनीति

स्वामी शिवानंद सरस्वती स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में सामने आए हैं। उन्होंने इस मामले को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाई है।प्रयाग में मौनी अमावस्या पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को रोके जाने के मामले में अब मातृसदन सामने आया है। मातृसदन ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया। आज मातृसदन आश्रम में बैठक हुई। बैठक में सामाजिक, किसान संगठनों और राजनीति लोगों ने भाग लिया।इस दौरान हरिद्वार में स्वामी शिवानंद सरस्वती ने आरोप लगाया कि सरकार सनातन को नष्ट करने का प्रयास कर रही है। कहा कि वह सरकार को नोटिस भेजेंगे। उन्होंने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में आंदोलन करने के लिए रणनीति बनाई।

Wedding card or puzzle? 'Digital mood boards' and 'unique dress codes' are adding to guests' headaches.

When attending a wedding, what's your biggest worry? Isn't it what to wear? But now this worry has only increased. Hosts are now sending dress codes along with wedding cards. This means they ask you to wear a specific type of clothing. are now sending dress codes along with wedding perfect on social media. Dress codes sent with wedding wedding they attend, the first question on everyone's have to think about everything from outfits to jewelry. In fact, wedding invitation cards now not only list the solving this dress code conundrum is becoming a The New York Times, we're going to tell you about with their wedding invitations and how this is causing Nowadays, couples want their weddings to look like a appear perfect on social media. To achieve this has increased. The situation has reached such a point with wedding cards to give guests an idea of ??the thing; guests will have clarity about what to wear. has only increased confusion among guests. The rise become obsolete at weddings. They have been replaced "western chic." It's becoming increasingly difficult for Lizzie Post, the word "optional" is often written about whether to wear a tuxedo or a dark suit. The autumnal (circus attire encouraged)." Reading such they're attending a wedding or a circus show. aspect of this new trend is that if a guest, for some target of criticism. Wedding content creator San Li "plus ones," meaning a partner accompanying a

But even within this, many strange demands are emerging. People invitations. This trend is growing to make wedding photos look invitations are causing problems for guests. No matter what mind is what to wear. Women face this stress even more. They But nowadays, this confusion has become even more pressing. date and venue, but also come with a unique dress code. But headache for guests. As part of an exclusive collaboration with this today. Let's explore why people are including dress codes problems for guests. The Desire for a Picture-Perfect Wedding: movie set. They want every wedding photo to be themed and picture-perfect look, the pressure on guests to wear specific outfits that many people are even sending digital mood boards along colors and styles. Reading this, you might think this is a good However, experts believe that instead of providing clarity, this of bizarre dress codes: Terms like "formal" and "casual" have by new, more complex terms like "farmhouse formal" and guests to understand these terms. According to etiquette expert alongside the dress code on the card, leaving guests confused surprise comes when dress codes include instructions like "formal strange codes, guests are understandably left wondering whether Complaints for not following the dress code: The most negative reason, fails to dress according to the theme, they become the says that such mistakes are often made by guests who come as guest, and who aren't fully aware of the theme. In such cases, being harsh with guests or criticizing them can ruin the wedding atmosphere. Experts believe that if a guest fails to follow the dress code, a good host should maintain calm and welcome the guest.

Want to look your best on Vasant Panchami? Try these 5 trendy outfits everyone will admire.

The festival of Vasant Panchami will be celebrated on January 23rd this year (Basant Panchami 2026). The color yellow holds great significance on this festival, dedicated to Goddess Saraswati. Therefore, wearing yellow wear a yellow outfit on this special occasion, will be celebrated on January 23rd. Yellow yellow outfits for Saraswati Puja. The Saraswati, the goddess of knowledge, arts, festival. Therefore, on this day, people offer clothes themselves. Yellow is considered a wearing yellow clothes on Vasant haven't decided what to wear on Basant a look at the outfits for this special day and (Picture Courtesy: Instagram) A yellow It looks both traditional and elegant. You Keep makeup minimal, wear silver Saree (1) (Picture Courtesy: Instagram) If the best option. Be it a cotton saree or Tip: Choose a blouse in a white or golden the look. Yellow Kurta-Palazzo Set Yellow you want to wear something comfortable kurta-palazzo set is a great option. Styling look with Kolhapuri or juttis. Yellow to a special event or family gathering on This look will make you traditional as well

clothes is considered auspicious. So, if you also want to let's explore some ideas. This year, Vasant Panchami holds special significance on this festival. You can wear festival of Vasant Panchami is dedicated to Goddess and learning. Yellow holds great significance on this yellow sweets to Goddess Saraswati and wear yellow symbol of positivity, energy, and happiness. Therefore, Panchami is considered very auspicious. But if you still Panchami (Basant Panchami 2026 Outfits), let's take learn some tips to style them. Yellow Anarkali Suit Anarkali suit is a perfect choice for Vasant Panchami. can pair it with a silver or white dupatta. Styling Tip: earrings, and leave your hair open in soft curls. Yellow you want a royal and graceful look, a yellow saree is chiffon, a yellow saree suits every age group. Styling shade, and a bindi and golden jewelry will enhance Kurta and palazzo (Picture Courtesy: Instagram) If yet stylish for a puja or a small function, then a yellow Tip- Pair it with a contrast dupatta and complete the Lehnga (Picture Courtesy: Instagram) If you are going Vasant Panchami, then you can wear a yellow lehenga. as trendy. Styling Tip- Keep peach or soft pink tone in your makeup and add gajra or floral accessories in your hair. Yellow Kurti with Jeans or Skirt Yellow Kurta with Jeans- (Picture Courtesy: Instagram) If you want a light and modern look, then you can pair a yellow kurti with jeans or a flared skirt. This is also a good option for college or office puja. Styling Tip: This look will look perfect with oxidized jewelry, a sling bag, and light makeup. Keep these things in mind: Avoid heavy makeup on Vasant Panchami. Keep your makeup light, fresh, and glowing. White, golden, and silver shades look great with yellow. For footwear, choose juttis, sandals, or flats to keep you comfortable throughout the day.

When the Constitution was ready on November 26th, why was January 26th waited for? Read its historical story.

Every year on January 26th, India celebrates Republic Day with great enthusiasm. The Constitution of the country was implemented on this day in 1950. However, a very interesting fact is that the Constitution was ready on Every year on January 26th, India there is a special reason behind choosing foundation of India's democracy. It is to prepare. After this, it was completed people's minds: when our Constitution this question, you need to learn about why our Constitution was implemented years before the Constitution was over by Pandit Jawaharlal Nehru. In abandoning its demand for Dominion Freepik) First Independence Day:

November 26th, 1949. So why was January 26th waited for its implementation? celebrates Republic Day. The Constitution of India was implemented on this day - January 26th for the implementation of the Constitution. Our Constitution is the the world's longest written constitution, which took 2 years, 11 months, and 18 days on November 26th, 1949. In such a situation, an interesting question often arises in was ready on November 26th, why was it implemented on January 26th? To answer an incident from the glorious history of the Indian freedom struggle. Let's learn on January 26th. The historic resolution of "Purna Swaraj" - This story begins 20 enacted, in 1929. At that time, the Indian National Congress met in Lahore, presided this session, Congress for the first time resolved to achieve "Purna Swaraj," status, or semi-independence, from the British. Republic Day - (Picture Courtesy: January 26, 1930 At the Lahore session, it was decided that January 26, 1930, would be celebrated as Independence Day throughout the country. On that day, Indians hoisted the tricolor for the first time and took a pledge to free themselves from British rule. From 1930 to 1947, January 26th was celebrated annually as India's symbolic Independence Day. The coordination of August 15th and January 26th—when India actually gained independence in 1947—was August 15th. Therefore, this day is celebrated as Independence Day. However, the framers of the Constitution, especially Pandit Nehru and Dr. B.R. Ambedkar, had deep respect for January 26th, which had kept the spirit of freedom alive among Indians for two decades. They did not want a historic date like January 26th to be lost in the pages of history. Therefore, it was decided that even though the Constitution was drafted on November 26th, 1949 (Constitution Day), it would officially come into effect on January 26th, 1950, forever immortalizing this day as "Republic Day." Therefore, on January 26th, the Constitution of India was implemented, and our country became a republic. Since then, Republic Day is celebrated with great pomp every year on January 26th.

'Jawan' director Atlee will become father for the second time, wife Priya tells good news

The name of director Atlee, who made Shah Rukh Khan's all-time blockbuster, is in the news again. His wife Priya Mohan announced her second pregnancy on social media and shared many wonderful family photos. Director Priya gave good news on social media - film. Who does not know director Atlee, superstar Shahrukh Khan's career, popularity has increased significantly. of this popular director of South Cinema for Atlee making headlines is family related. announced her second pregnancy and has media. Atlee will become a father again- this, in the year 2023, Priya gave birth to guest is going to come to the couple's house, given on her official X handle. On Tuesday, Atlee are going to become parents for the has written - "With the arrival of a new become more comfortable." Yes, we are and prayers." This is how Priya Atlee has family photos are being liked by the fans lot. Apart from this, many users are also upcoming child. Atlee's next film - As a star Allu Arjun, the title of which has not

Atlee is going to become a father again. Wife Name of Atlee's next film. Name of Atlee's next who made the biggest hit of Bollywood Jawan? After the success of Jawan, Atlee's Often, for some reason or the other, the name remains in the news. But this time the reason Recently, his wife Priya Mohan has officially also shared the latest family photos on social Atlee and Priya got married 12 years ago. After son Mir as her first child and now another little information about which Priya herself has he made a tweet in which he told that he and second time. In this tweet, the director's wife member in our house, our house is going to pregnant again. We need all your blessings, love announced her second pregnancy. Many of his and they are liking and commenting on them a sending best wishes to this couple for their director, Atlee's next film is Pushpa with film been revealed yet, but it is known as. Bollywood actress Deepika Padukone will also be seen playing an important role in Atlee's movie. Let us tell you that this upcoming movie of Atlee and Allu Arjun can probably be released in theaters next year. This is how Priya Atlee has announced her second pregnancy. Many of his family photos are being liked by the fans and they are liking and commenting on them a lot. Apart from this, many users are also sending best wishes to this couple for their upcoming child. Atlee's next film - Atlee's next film as a director is Pushpa with film star Allu Arjun, the title of which has not been revealed yet, but it is known as. Bollywood actress Deepika Padukone will also be seen playing an important role in Atlee's movie. Let us tell you that this upcoming movie of Atlee and Allu Arjun can probably be released in theaters next year.

The killer turned out to be fatal at the last moment, the whole game changed with the earnings of the 47th day

Director Aditya Dhar's film Dhurandhar will soon complete 50 days of release. Earlier, in terms of earnings, Dhurandhar has tried to turn the whole game at the box office on the 47th day of its release. Dhurandhar Box Office Collection day - the film will soon complete 50 days of its release. is now counting down in theatres. The performance at the box office, but as time is passing, its earnings from double digits to single digits and the movie seems Dhurandhar has once again made a comeback in movie has earned on Tuesday. How much was the the success of Dhurandhar by the fact that there is its release and the audience is reaching theaters to Dhar is seen earning crores, which is a special Dhurandhar, on the seventh Tuesday this movie has domestic box office, which is believed to be around Rs seems to be getting fatal at the box office at the last collection of Dhurandhar till now, it has reached Dhardhar is getting closer to touching the magical

Update: Dhurandhar has earned so many crores on the 47th Dhurandhar, which was released on 5th December last year, of this Ranveer Singh starrer movie has been historic so far are also being affected. Dhurandhar's collection has slipped to be fighting its last battle. But on the 47th day of its release, terms of box office collection. Let us know how much this collection of Dhurandhar on the 47th day - You can guess not much time left for the completion of the second month of watch this movie. Now this spy thriller of director Aditya achievement in itself. If we look at the 47th day collection of made an estimated business of around Rs 1.70 crore at the 20 lakh more than last Monday. In this way, Dhurandhar moment. Meanwhile, if we take a look at the total box office around Rs 885 crores. Slowly but surely, Ranveer Singh's figure of Rs 900 crores. Biggest hit of Ranveer's career - Let us tell you that Dhurandhar has now become the biggest hit movie of actor Ranveer Singh's acting career. Earlier this achievement was in the name of his film Padmavat, directed by director Sanjay Leela Bhansali. Not only in Ranveer's career but it has also become the highest box office collecting movie of Hindi cinema.

Zakir Khan will take a long break of 5 years from stand-up comedy? For this reason the comedian took the decision

Famous stand-up comedian Zakir Khan is considered everyone's favorite. Meanwhile, Zakir has made a big announcement and said that he is going to take a long break of 4-5 years. What is the whole matter, let us will take a break from due to this reason - Zakir today's era, the craze of very fast. But the credit for entirely goes to Zakir Madhya Pradesh. Zakir's and everyone likes his style. comedian Zakir Khan is in special 'Papa Yaar' tour, cities of the country. In such Hyderabad, Zakir has from stand-up comedy, know why he has taken this take a break of 5 years - popular stand-up audience laugh a lot by only in his country but also perhaps we will not see the coming few years. In fact, Hyderabad show is going is seen talking about taking He has said- "I am going on 2028-29 or even beyond

know in this article. Zakir Khan comedy, will stay away for 5 years is a famous stand-up comedian. In stand-up comedy is increasing its increasing popularity in India Khan, a resident of Indore, stand-up comedy has a lot of fans At present, the name of stand-up the news for the stand-up comedy which he is hosting in different a situation, during his show in announced to take a long break which can last for 5 years. Let us decision. Because Zakir Khan will Zakir Khan is known as India's comedian. He has made the doing stand-up comedy tours not in foreign countries. But now magic of Zakir's comedy in the a video clip of Zakir Khan viral on social media, in which he a break from stand-up comedy. a long break, which may last till 2030." This coming long break of three, four or five years will be so that I can focus on my fitness and take care of my health. Apart from this, there are some things which I still have to fix. In such a situation, I am very grateful to all the people present here at this time. Your presence means a lot to me, which I cannot express in words. Thank you all very much." Appreciation of Zakir's decision - This is how Zakir Khan has made a big announcement regarding the break during the stand-up comedy special 'Papa Yaar' Tour Hyderabad show. This decision of 38 year old Zakir is being appreciated a lot on social media, that he has decided to focus on his health.